an>

title: Need to take steps to de-water the water storage in CCL and Bharat Cocking Coal Ltd.

**श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) :** सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय प्रधानमंत्री जी और रेल मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि इस भयानक सुखाड़ में रेल के द्वारा पीने के पानी को भिजवाने का काम किया जा रहा है। सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि झारखंड प्रदेश में हमारे गिरिडीह लोक सभा क्षेत्र में सीसीएल और भारत कोकिंग कोल का करोड़ों लीटर पानी, करोड़ों गैलन पानी अंडर ग्राउंड में पड़ा हुआ है। हम लोगों ने माननीय मंत्री से बात की, चेयरमैन साहब से बात की कि यहां से डी-वाटरिंग करके अगल-बगल के गांवों में तालाब में या पाइपलाइन द्वारा भी हम जलापूर्ति कर सकते हैं। आज की तारीख में नदी सूख रही हैं, बाकी जो बचा हुआ पानी है, अगर हम उसे नदी में निकाल देते हैं तो नदी का भी वाटर लेवल बढ़ेगा और जितने वापानल पानी के बगैर खराब पड़े हुए हैं, उनमें भी वाटर लेवल उठेगा।

सभापति महोदय, दुर्भाग्य है कि अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। आपके माध्यम से हम भारत सरकार से मांग करते हैं कि अविलम्ब कोयला मंत्री जी को आदेश दिया जाए कि वहां की डी-वाटरिंग करवा कर वहां के ग्रामीणों को पानी दिया। यही आपसे निवेदन है।

HON. CHAIRPERSON:

Shri Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Ravindra Kumar Pandey.